IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 3, February 2024

शहडोल जिले के जयसिंहनगर विकासखण्ड में बैगा महिलाओं की आर्थिक स्वावलम्बन का अध्ययन

कविता शुक्ला[1] व डॉ. सुशीला द्विवेदी[2]
शोधार्थी, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा, म.प्र.[1]
सहायक प्राध्यापक, शासकीय महाविद्यालय रायपुरकर्चुलिया, रीवा, म.प्र.[2]

शोध सारांशः

बैगा जनजाति में भी आर्थिक सम्पन्नता की आकांक्षाएं लगभग नहीं के बराबर है। बाजार गया बैगा पैसे को जल्दी से जल्दी खर्च कर घर लौटना पसन्द करता है। सामाजिक उत्सव, धार्मिक मान्यतायें व क्रिया–कलाप, उत्सव, मेहमानों का स्वागत आदि पर भी बैगा अपनी आय का एक महत्वपूर्ण भाग व्यय कर देते है। बैगा किसी भी बन्धन में बधना पसन्द नहीं करते है भले ही वह सम्पत्ति का बन्धन क्यों न हो, यही कारण है कि वे जमीन के स्वामित्व का दायित्व आज भी नहीं निभा पाते। कालान्तर में समय के साथ–साथ परिवर्तन हो रहे है। शहडोल जिले की जयसिंहनगर की महिला बैगा जनजाति ने जमीन के स्वामित्व का दायित्व निभाना प्रारम्भ कर दिया है। आवश्यकतानुसार वे अब न्यायालय व पुलिस की सहायता की मांग करने लगे है। इस शोध पत्र में बैगा महिलाओं के आर्थिक स्वावलम्बन पर केन्द्रित शोध पत्र प्रस्तुत है।

मुख्य शब्दः शहडोल, जयसिंहनगर, विकासखण्ड, बैगा, महिलाओं, आर्थिक स्वावलम्बन, अध्ययन आदि।

संदर्भ स्रोतः–

[1]. चौरसिया विजय, (2004) प्राकृति पुत्र बैगा। मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
[2]. तिवारी सी.पी. (2003) जनजातीय पर्यावरण आशा प्राकशन, आगरा।
[3]. सुरेश शर्मा, नागर एवं संजय कुमार (2003) भारत में शिक्षा व्यवस्था का विकास, मेरठ।
[4]. पटेल जी.पी. (1991) बैगा जनजाति का मानव शास्त्रीय अध्ययन।
[5]. जिला सांख्यिकीय पुस्तिका 2016 जिला शहडोल म.प्र.।
[6]. एल्विन बी. (1939) द बैगा जॉने मुरे लन्दन।
[7]. मध्य प्रदेश शासन, आदिमजाति अनुसंधान एवं विकास संस्थान द्वारा प्रकाशित विशेश पिछड़ी जनजाति सर्वेक्षण प्रतिवेदन–बैगा।
[8]. ''मध्यप्रदेश प्रगति के नौ वर्ष'', स्मारिका संपादकः डी.पी. गोयल मार्च–2003
[9]. ''जनता की अदालत में मुकदमा'' भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश द्वारा प्रस्तुत, प्रकाशक : भारतीय जनता पार्टी, मध्यप्रदेश मुद्रकः असर रीप्रोग्राफिक्स भोपाल म0प्र0
[10]. 'प्रदेश के विकास का दृष्टि पत्र', द्विवेदी, शचीन्द्र, गौरव प्रतिष्ठान मध्यप्रदेश द्वारा प्रकाशित।
[11]. लोक प्रशासन, भोपाल, म0प्र0, हिन्दी ग्रन्थ, अकादमी त्रैमासिक पत्रिका।
[12]. दैनिक जागरण, रीवा, म0प्र0
[13]. नवभारत, जबलपुर रीवा, म0प्र0
[14]. दैनिक भास्कर, रीवा/सतना म0प्र0

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 3, February 2024

[15]. स्टार समाचार रीवा

[16]. दैनिक पत्रिका समाचार पत्र रीवा/सतना